महापौर का बद्हाल बंगला अपनी दुर्दशा पर ही बहा रहा आंसू

मनपा प्रशासन ने 4 वर्षों से इस बंगले पर कोई ध्यान नहीं दिया | गेट टूटे, पेंट उखड़ा, सीढ़ियां टूटी, परिसर में कचरा ही कचरा

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 9 फरवरी – अमरावती महानगरपालिका में विगत 4 वर्षों के प्रशासकीय राज के दौरान मनपा प्रशासन ने महापौर बंगले की तरफ कभी झांककर भी नहीं देखा. इसके चलते आज महापौर का यह बंगला अपनी दुर्दशा पर आंसू बहाता हुआ ही नजर आ रहा है. यहां के दरवाजे टूटे हैं, पेंट उखड़ा पड़ा है और परिसर में कचरा ही कचरा नजर आ रहा है.

उल्लेखनीय है कि 1996 में अमरावती महापौर के निवास के लिए विद्यापीठ मार्ग पर बंगले का निर्माण किया गया था. इस बंगले को महापौर का अधिकृत निवास माना जाता है. शहर के प्रथम नागरिक का यह बंगला होने की वजह से मनपा प्रशासन इसकी साज-सज्जा और रख-रखाव पर अधिक ध्यान देता है. हालांकि विगत 4 वर्षों के प्रशासक राज में मनपा प्रशान इस बंगले को भूल ही गया है. इसके चलते यह बंगला दुर्दशा का शिकार हो गया है. ऐसे में जब 6 फरवरी को अमरावती के नए महापौर का चयन हो गया है तो सवाल उठ रहे हैं कि क्या मनपा प्रशासन इस बंगले पर ध्यान देगा.

शहर स्वच्छ करने से पहले बंगला स्वच्छ करना जरूरी

विदित हो कि अमरावती के नए महापौर श्रीचंद तेजवानी ने महापौर पद संभालने के बाद शहर को स्वच्छ रखने का दावा किया है. लेकिन इससे पहले महापौर श्रीचंद तेजवानी के समक्ष अपने बंगले की ही स्वच्छता का मुद्दा खड़ा हो गया है.

मंद गति से काम है जारी

मनपा प्रशासन ने 4 वर्षों के बाद नए महापौर का चयन होते ही इस बंगले की हालत सुधारने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. लेकिन यह प्रक्रिया काफी मंद गति से चल रही है. इसे देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि आगामी 15-20 दिनों में यह महापौर के रहने लायक हो जाएगा.

परिसर में कचरा ही कचरा

महापौर के बंगले के परिसर में जहां देखो वहां कचरा ही कचरा फैला नजर आता है. संभवतः इस बंगले की विगत 4 वर्षों में कोई सफाई भी नहीं हुई है. इस बंगले को देखने के बाद सवाल उठता है कि मनपा प्रशासन जब महापौर के बंगले की ही देख-रेख नहीं कर पा रहा है तो वो इस शहर को साफ और स्वच्छ कैसे रखेगा?

टूटे दरवाजे- उखड़ा पेंट

महापौर बंगले की दुर्दशा का आलम यह है कि यहां के दरवाजे टूट चुके हैं अंदर के कमरों का पेंट उखड़ गया है. साथ ही परिसर में पेड़ों की पत्तियों का कचरा फैला पड़ा है. इस बंगले को देखकर ऐसा लगता है कि मानों प्रशासन ने विगत 4 वर्षों में यहां पर कोई ध्यान नहीं दिया है या फिर कोई भी अधिकारी यहां झांकने के लिए भी नहीं आया है.

तीन दिन बाद टूटा मनरेगा कार्यों के लेकर चल रहा अनशन

तहसीलदार मोराणकर के आश्वासन पर समाप्त हुआ आंदोलन

चिखलदरा- मेळघाट क्षेत्र की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से जय आदिवासी समाज विकास संगठन की ओर से हीरदामल गांव में किया जा रहा अनशन आखिरकार तीसरे दिन समाप्त हो गया. तहसीलदार जीवन मोराणकर एवं गटविकास अधिकारी विनोद खेडकर ने अनशन स्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों से संवाद साधा और लिखित व मौखिक आश्वासन दिए, जिसके बाद अनशन समाप्त किया गया.

यह अनशन मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के तहत आदिवासी मजदूरों को नियमित रोजगार उपलब्ध कराने, लंबित मजदूरी भुगतान, तथा बिजली, पानी, स्वास्थ्य, सड़क और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर शुरू किया गया था. आंदोलनकारियों का कहना था कि पिछले कई दिनों से काम न मिलने के कारण आदिवासी मजदूरों की आजीविका पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है.संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए बताया कि बार-बार ज्ञापन सौंपने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण हिरदामाल के पूर्व सरपंच गाणु सावलकर को अनशन का रास्ता अपनाना पड़ा.अनशनकताओं की गंभीर हालत को देखते हुए तीसरे दिन तहसीलदार जीवन मोराणकर स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारियों से विस्तार से चर्चा की. इस दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत रुके हुए कार्य शीघ्र शुरू किए जाएंगे तथा मजदूरों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा.

सुबह-सुबह लूट की वारदात, जमकर हुई पिटाई

फ्रेजरपुरा थाना क्षेत्र की घटना, लोगों ने दो आरोपियों को पकड़ा

मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक से मोबाइल झपटने की कोशिश

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 9 फरवरी – शहर के फ्रेजरपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवखोरी से यशोदा नगर मार्ग पर सोमवार, 9 फरवरी की सुबह मोबाइल झपटमारी की घटना सामने आई है. यह घटना सुबह करीब 6:30 बजे के दौरान घटित हुई. जब एक 16 वर्षीय युवक रोजाना की तरह मॉर्निंग वॉक करने के लिए निकला था. इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाशों ने उसके पास से मोबाइल छीनकर भागने की कोशिश की. लेकिन शोर शराबा होते ही मौजूद लोगों ने दोनों लुटेरों को पड़कर जमकर पिटाई कर पुलिस के हवाले किया. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है. पुलिस ने आरोपियों की पहचान पंचशील नगर निवासी क्षितिज मेश्राम और रोहित बोरकर के रूप में की है.

जानकारी के अनुसार शांति नगर निवासी 16 वर्षीय नीजल राजेश गवई रोज की तरह सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकला था. इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक उसके पास आए और कुछ देर तक आस-पास घूमते रहे. बताया जा रहा है कि कुछ समय बाद वही दोनों युवक दोबारा पीछे से नीजल के पास पहुंचे. इसी दौरान नीजल के मोबाइल पर किसी का फोन आया और वह बात करने लगा. इसी मौके का फायदा उठाकर मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों ने अचानक झपट्टा मारते हुए नीजल का मोबाइल छीन लिया और तेजी से भागने लगे. मोबाइल छीने जाने के बाद नीजल ने तुरंत शोर मचाना शुरू किया और मदद के लिए चिल्लाने लगा. उसी मार्ग पर मॉर्निंग वॉक कर रहे अन्य लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए भाग रहे दोनों लुटेरों का पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया. लोगों ने मौके पर ही दोनों आरोपियों को पकड़कर उनकी जमकर पिटाई कर दी और बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया. घटना की जानकारी मिलते ही फ्रेजरपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को हिरासत में लिया. पुलिस ने आरोपी क्षितिज मेश्राम और रोहित बोरकर को हिरासत में लिया है. इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है .

अमरावती में एमडी ड्रग्स का बढ़ता प्रकोप

गुटखा कारोबार और ट्रैफिक व्यवस्था पर दें ध्यान | 15 नवनिर्वाचित पार्षदों ने सीपी से की कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 9 फरवरी – शहर में युवाओं के बीच तेजी से बढ़ रहे एम.डी. ड्रग्स के उपयोग, अवैध गुटखा व्यवसाय और शहर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर कांग्रेस पार्टी ने गंभीर चिंता जताते हुए संबंधित मुद्दों पर उचित कार्रवाई करने हेतु सोमवार, 9 फरवरी को नवनिर्वाचित 15 पार्षदों ने पुलिस संयुक्त राकेश ओला को ज्ञापन सौंपा और जल्द से जल्द उचित कार्रवाई करने की मांग की गई है.

सोमवार, 9 फरवरी को कांग्रेस पार्टी की ओर से अमरावती महानगरपालिका के नवनिर्वाचित 15 नगरसेवकों ने पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर इन मुद्दों पर सख्त कार्रवाई की मांग की. इस मुलाकात में अमरावती शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बबलू शेखावत, कांग्रेस के गटनेता विलास इंगोले, पूर्व महापौर मिलिंद चिमोटे के साथ-साथ नवनिर्वाचित नगरसेवक भी उपस्थित रहे. कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि शहर में युवाओं के बीच एमडी ड्रग्स का उपयोग बड़े पैमाने पर बढ़ रहा है. इससे युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है. प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि इस नशे पर तत्काल रोक लगाई जाए और संबंधित अपराधियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए. कांग्रेस नेताओं ने पुलिस आयुक्त से यह भी मांग की कि शहर में अवैध रूप से चल रहे गुटखा और तंबाखूजन्य पदार्थों के कारोबार पर तुरंत लगाम लगाई जाए. इस कारण युवाओं में व्यसनाधीनता बढ़ रही है और स्वास्थ्य समस्याएं गंभीर रूप ले रही हैं. प्रतिनिधिमंडल ने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को भी बेहद चिंताजनक बताया. शहर के कई इलाकों में सिग्नल तोड़ने, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन, और ट्रैफिक पुलिस नियंत्रण में लापरवाही के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है. विशेष रूप से छात्रों, बुजुर्गों और आम वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस ने पुलिस आयुक्त से जल्द उपाययोजना लागू करने की मांग की. कांग्रेस पार्टी ने पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि शहर की कानून-व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इन सभी मुद्दों पर तुरंत कार्रवाई की जाए. कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह मुलाकात शहर हित में महत्वपूर्ण है और पार्टी इन समस्याओं को लेकर लगातार प्रयासरत रहेगी. साथ ही जरूरत पड़ने पर कांग्रेस द्वारा आगे आंदोलन भी किया जाएगा, ऐसा भी प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया.

चित्रा चौक उडानपुल पर बड़ा हादसा टला

ट्रक ने पिलर को मारी टक्कर

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 9 फरवरी – अमरावती के चित्रा चौक- पठान चौक उडानपुल पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान सोमवार, 9 फरवरी की सुबह करीब 11 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. एक ट्रक अनियंत्रित होकर उडानपुल के पिलर से जा टकराया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिलर के ऊपर मौजूद पुल का ढांचा कुछ क्षणों के लिए कांप उठा. यदि ढांचा गिर जाता, तो गंभीर दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता था.

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर यातायात सिपाहियों को तैनात कर दिया गया और मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित किया गया. जानकारी के अनुसार उडानपुल का निर्माण कार्य अब फिर से रफ्तार पकड़ चुका है. पठान चौक क्षेत्र में आगामी बड़े निर्माण को देखते हुए एक ओर का मार्ग अस्थायी रूप से बंद कर, वाहनों को एकेडेमिक स्कूल के मैदान की ओर से डायवर्ट किया गया है. इसी मार्ग से बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन गुजर रहे हैं.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक चालक का ध्यान भटकने के कारण वह बंद किए गए मार्ग की ओर आगे बढ़ गया और पिलर से टकरा गया. टक्कर के बाद पिलर का ढांचा हिल गया, जिससे वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई. गनीमत रही कि पुल का ढांचा गिरा नहीं और बड़ा हादसा टल गया. दुर्घटना के बाद दोपहर से ही वहां यातायात पुलिस तैनात कर दी गई है, जो वाहन चालकों को दिशा-निर्देश दे रही है.

उल्लेखनीय है कि उडानपुल का निर्माण लंबे समय से लंबित होने के कारण नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. यह मामला बॉम्बे हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है. कोर्ट द्वारा पुल का काम 31 दिसंबर तक पूरा करने की दी गई समयसीमा पहले ही समाप्त हो चुकी है. इस ताजा घटना ने एक बार फिर उडानपुल की सुरक्षा और निर्माण की धीमी गति पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

नांदगांव पेठ फ्लायओवर पर भीषण सड़क हादसा, युवक गंभीर घायल

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 9 फरवरी -नांदगांव पेठ रोड स्थित फ्लायओवर पर तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए गए चारपहिया वाहन की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. इस मामले में पुलिस ने महिंद्रा एक्सयूवी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है. शिकायतकर्ता उमेश (58, श्रीकृष्णपेठ, अमरावती) ने नांदगांव पेठ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है. दर्ज शिकायत के अनुसार सोमवार 2 फरवरी 2026 को शाम करीब 5.30 बजे उनके भाई ड्यूटी से एमएच 27 सीजे 9367 क्रमांक की होंडा शाइन मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे. इसी दौरान नांदगांव पेठ फ्लायओवर के मोड़ पर पीछे से आ रही सफेद रंग की महिंद्रा एक्सयूवी क्रमांक एमएच 35 एडब्ल्यू 0492 के चालक ने लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाते हुए उनके भाई को जोरदार टक्कर मार दी. घायल को तत्काल इर्विन अस्पताल ले जाया गया जहां पर उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे आगे इलाज के लिए एक्सोन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसे आईसीयू में रखा गया है.

टॉकीज के पास लोहे की सलाख से हमला

अंजनगांव सुर्जी- थाना क्षेत्र के टॉकीज परिसर में मारपीट की घटना सामने आई है. यह घटना गुरुवार की देर रात 9:00 बजे के करीब टॉकीज के पास घटित हुई है. इस मामले में अतुल दयारामजी पोटे (38, अंजनगांव सुर्जी) ने आरोपी पवन मोहन मंडवे (30) के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत की है. शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने गाली-गलौज की, जिसके बाद दोनों के बीच झगड़ा हुआ. इसी दौरान आरोपी ने मौके पर पड़ी लोहे की सलाख से अतुल पर हमला कर दिया, जिससे अतुल घायल हो गया. घायल का उपचार के लिए अस्पताल दाखिल किया गया घटना की जानकारी पुलिस को मिलते ही पुलिस ने अस्पताल में पहुंचकर घायल अतुल का बयान दर्ज किया.

पृष्ठ 9 के समाचारों का शेष....

भाजपा को एमआईएम की ...

समर्थन दिए जाने के बाद उसी दिन एक बयान जारी करते हुए बडनेरा के विकास के लिए कांबले ने यह समर्थन दिया है, वहीं विगत रविवार को फिर से एक सम्मेलन में एमआईएम के और भी पार्षद यथाशीघ्र ही पार्टी से इस्तीफा देकर वाईएसपी में शामिल होने का बयान जारी किया था. इस संदर्भ में पूछे गए सवाल पर भी पालकमंत्री ने रवि राणा के उपस्थिति में तंज कसते हुए कहा कि एमआईएम की जरूरत भाजपा को नहीं है और ना ही कोई भाजपा व अन्य नेता एमआईएम के पार्षदों को भाजपा में शामिल करने के लिए प्रेरित कर सकता है. विधायक रवि राणा की स्वतंत्र युवा स्वाभिमान पार्टी है. जिसका फैसला उन्हें ही लेना है. इस संदर्भ में मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि महायुति की विचारधारा को लेकर सभी मित्रपक्ष के दलों के नेताओं को अपनी नीति अपनानी चाहिए. महापौर पदग्रहण के दौरान विधायक रवि राणा, पूर्व विधायक प्रवीण पोटे, विधायक राजेश वानखडे, आशीष अतकरे, प्रशांत वानखडे, महेश मूलचंदानी, पूर्व पार्षद बलदेव बजाज, ऋषि खत्री, नंदा सावदे, वरिष्ठ अधिवक्ता वासुदेव नवलानी, प्रदेश प्रवक्ता शिवराय कुलकर्णी, चेतन गावंडे, सुनील खराटे, अविनाश मार्डीकर, दिनेश सूर्यवंशी, संजय नरवणे, चंदू खेडकर, प्रमोद महल्ले, विनोद तनवैस, पद्मजा कौंडण्य, मिलिंद बांबल, राधा कुरील, सचिन रासने, तुषार भारतीय, सुरेखा लुंगारे, मनीष बजाज, दीपक सम्राट, सुनील काले, अजय जयस्वाल, नाना आमले, लविना हर्षे, विनोद गुहे, अवि काले, राजू कुरील के अलावा सभी भाजपा और युवा स्वाभिमाान के पार्षद, पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

विकसित अमरावती के लिए कार्य करें - शपथ ग्रहण पालकमंत्री बावनकुले ने पार्टी के नए नगरसेवकों को सलाह देते हुए कहा कि विकास का विजन रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को पूरा करना है. उन्होंने कहा कि विकसित भारत की तर्ज पर विकसित अमरावती का विजन रख कर कार्य करें ताकि शहर का विकास हो सके.

अमरावती में डीलिंग करने ...

लेकर लौटे थे. मोटी रकम के लालच में आरोपियों ने यह जोखिम भरा कदम उठाया, जो उनके लिए महंगा साबित हुआ.

एक सप्ताह बाद सामने आई सच्चाई - डीआरआई की कार्रवाई के पश्चात इस घटना को लेकर कई तरह के चचाओं ने जमकर तूल पकड़ रखा था. लेकिन इस हाईप्रोफाइल मामले में एक सप्ताह बाद कार्रवाई की पूरी सच्चाई खुलकर सामने आई है. जानकारी के मुताबिक कार्रवाई से एक दिन पहले ही डीआरआई की टीम अमरावती में आकर डेरा डालकर बैठ गई थी और आरोपियों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी.

तीन दिन तक गाड़ी में लेकर घूमते रहे करोड़ों की ड्रग्स – बताया जा रहा है कि आरोपी मध्य प्रदेश से ड्रग अपने कब्जे में लेने के बाद तीन दिनों तक करोड़ों रुपये की एमडी ड्रग्स लेकर गाड़ी में घूमते रहे. वे अहमदाबाद से आने वाले पार्टी का इंतजार कर रहे थे, ताकि डील को अंजाम दिया जा सके. लेकिन अमरावती में ही डीलिंग की कोशिश उनके लिए भारी पड़ गई.

आज से जिले में 12 वीं की ...

सार्वजनिक परिवहन सुचारु रखने के संबंध में परिवहन विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं. जिले के लगभग 85 प्रतिशत परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी प्रणाली कार्यरत है और जहां सीसीटीवी उपलब्ध नहीं हैं, वहां के केंद्र प्रमुखों और पर्यवेक्षकों की अदला-बदली की गई है.

बोर्ड परीक्षाओं के दौरान लागू ...

वॉकी-टॉकी, वायरलेस, कैमरा युक्त उपकरण, सिम कार्ड व दूरसंचार साधनों सहित किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक वस्तु ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है. परीक्षा केंद्र के 50 मीटर परिसर में स्थित सभी झेरॉक्स दुकानें बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं.

उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई होगी - यह आदेश दिनांक 10 फरवरी की रात 12 बजे से 18 मार्च की रात 12 बजे तक अमरावती पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों के आस-पास लागू रहेंगे. पुलिस आयुक्त राकेश ओला ने स्पष्ट किया है कि आदेशों का उल्लंघन करने वालों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी. इसके संबंध में सभी पुलिस थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं.

214 रिक्त पदों के लिए कल से ...

पैसों की मांग होने पर तुरंत शिकायत करें - यदि भर्ती प्रक्रिया के नाम पर कोई व्यक्ति पैसे या अन्य लाभ की मांग करता है, तो उम्मीदवार तुरंत शिकायत दर्ज कराएं. भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग तथा पुलिस अधीक्षक से भी तुरंत संपर्क किया जा सकता है. भर्ती से संबंधित किसी भी समस्या या जानकारी के लिए 7030006819 नंबर पर किया जा सकता है.

उच्च न्यायालय ने अमरावती कारागृह अधीक्षक को जारी किया नोटिस

15 कैदियों की पैरोल छुट्टी नामंजूर किए जाने का मामला | कैदियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए अधिकारियों की दौड़भाग

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 9 फरवरी – अमरावती केंद्रीय कारागृह के 15 कैदियों की पैरोल छुट्टी नामंजूर किए जाने के बाद उन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया. मामले की सुनवाई के दौरान जब न्यायालय ने कारागृह प्रशासन से स्पष्टीकरण मांगा, तो कारागृह अधीक्षक की ओर से जवाब दिया गया कि संबंधित कैदियों ने पैरोल के लिए झूठे दस्तावेज प्रस्तुत किए थे, इसलिए उनकी छुट्टी मंजूर नहीं की गई. इस पर उच्च न्यायालय ने कारागृह प्रशासन को नोटिस जारी करते हुए सवाल किया कि यदि कैदियों ने झूठे कागजात दिए थे, तो उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज क्यों नहीं किया गया. इसके बाद कारागृह प्रशासन 15 कैदियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए दौड़भाग करता नजर आया.

हालांकि, आवश्यक ठोस दस्तावेज उपलब्ध न होने के कारण फ्रेजरपुरा पुलिस ने कैदियों के खिलाफ अपराध दर्ज करने से साफ इनकार कर दिया. इससे कारागृह प्रशासन में हड़कंप मच गया है.

अमरावती जिला केंद्रीय कारागृह विदर्भ का सबसे बड़ा कारागृह है, जिसकी क्षमता 937 कैदियों की है. यहां पांच जिलों सहित अन्य राज्यों के कैदियों को भी रखा जाता है, जिसके कारण कारागृह क्षमता से अधिक भरा हुआ है. वर्तमान में यहां 27 महिला कैदी भी बंद हैं.कारागृह में सजा काट रहे कैदियों को संचित और अभिवचन छुट्टी मिल सकती है. विशेष परिस्थितियों में, कुछ शर्तों के तहत पैरोल छुटटी भी दी जाती है. यह कैदियों का अधिकार माना जाता है. परिवार में बीमारी, मृत्यु जैसी परिस्थितियों में, अच्छा आचरण रखने वाले कैदियों को सजा पूरी होने से पहले भी यह छुट्टी मंजूर की जाती है. पैरोल अवकाश का उद्देश्य कैदियों को समाज से जोड़े रखना और पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने का अवसर देना होता है. सामान्यतः यह अवकाश एक महीने तक दिया जा सकता है और विशेष परिस्थितियों में बढ़ाया भी जा सकता है. इसी क्रम में कारागृह के कुछ कैदियों ने अभिवचन अवकाश के लिए कारागृह अधीक्षक के पास आवेदन किया था. आवेदन नामंजूर होने पर उन्होंने कारागृह विभाग के महानिरीक्षक के पास अपील की, लेकिन वहां से भी आवेदन खारिज कर दिया गया. इसके बाद अमरावती कारागृह के 15 कैदियों ने नागपुर स्थित उच्च न्यायालय में याचिका दायर की. उच्च न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अमरावती कारागृह अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा. जवाब में अधीक्षक ने बताया कि कैदियों ने झूठे दस्तावेज प्रस्तुत किए थे, इसलिए उनके अवकाश की मांग नामंजूर की गई. इस पर न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी करते हुए पूछा कि यदि दस्तावेज झूठे थे, तो संबंधित कैदियों के खिलाफ अपराध दर्ज क्यों नहीं किया गया. साथ ही, झूठे दस्तावेज प्रस्तुत करने वाले कैदियों के खिलाफ तत्काल संबंधित थाने में मामला दर्ज करने के निर्देश दिए. इसके बाद कारागृह प्रशासन ने कैदियों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज एकत्र किए और शुक्रवार, 6 फरवरी को दोपहर फ्रेजरपुरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने के लिए एक कर्मचारी भेजा. पुलिस द्वारा दस्तावेजों की जांच में पाया गया कि उनमें घटना की तारीख और समय का उल्लेख नहीं था. करीब एक से डेढ़ घंटे की जांच के बाद भी कैदियों के खिलाफ ठोस सबूत नहीं मिलने पर फ्रेजरपुरा पुलिस ने मामला दर्ज करने से इनकार कर दिया.

अब इस पूरे मामले में कारागृह अधीक्षक उच्च न्यायालय को क्या जवाब देंगे, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं.

अपराध दर्ज करने के लिए ठोस दस्तावेज जरूरी

शुक्रवार, 6 फरवरी को कारागृह के कर्मचारी 15 कैदियों के खिलाफ अपराध दर्ज कराने के लिए आए थे. लेकिन उनके पास कैदियों के विरुद्ध ठोस दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे. अपराध दर्ज करने के लिए घटना, तारीख और समय–ये तीन बातें आवश्यक होती हैं और ये विवरण उनके पास नहीं थे. इसलिए अपराध दर्ज करने से इनकार कर दिया गया.

रोशन शिरसाट, थाना प्रभारी, फ्रेजरपुरा

व्यवस्थित दस्तावेज एकत्र कर रहे हैं

15 कैदियों ने झूठे चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए थे, इसलिए उनकी छुट्टी मंजूर नहीं की गई थी. उच्च न्यायालय के आदेश मिलते ही सभी आवश्यक और पूर्ण दस्तावेज एकत्र कर अपराध दर्ज किया जाएगा.

विलास भोईते, प्रभारी कारागृह अधीक्षक